

Print Coverage

Publication	Hindu Business Line
Edition	Hyderabad, Kolkata, Delhi, Bangalore, Mumbai, Chennai
Date	4 th August 2012
Page	2

Expanding generation capacity only way to avoid grid failures: Tata Power MD

Our Bureau

Mumbai, Aug. 3

The only option to avoid grid failures is to expand the generating capacity, according to Anil Sardana, Managing Director, Tata Power.

Tata Power is into generation, transmission and distribution.

"There needs to be enforcement of automated and coordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days.

"However, one cannot shy away from creating spinning reserves by expanding India's

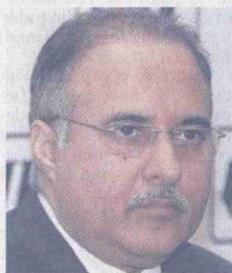
power generation capacities so that there is no demand-supply gap at any given time," he said.

In parallel, the management of distribution companies has to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management, he felt.

ISLANDING SCHEME

On the recent power outages experienced across the country due to grid failures, he said Mumbai is a classic example of how this problem could be addressed technically thanks to the islanding scheme pioneered by Tata Power in 1981.

It cuts off the network from external grid failures to help



Anil Sardana

the local network manage its power demand/ supply needs during such crisis. This islanding scheme has worked well

for Mumbai consumers, achieving a 100 per cent success rate each of the 16 occasions that there have been such grid failures since 1995.

Even in the existing grid failures, Tata Power's Jojobera units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

REFORMS

"There cannot be a better trigger to set off reforms for the power sector to enable increased investment into generation to meet the country's 12th Plan target of 88,000 MW. The sector's long sought-after need for reforms on fuel supply too needs to be addressed on an

immediate basis. Clarity on Ultra Mega Power Projects (UMPPs) can go a long way in building a brighter future for the energy needs," he said.

For instance, India's first UMPP at Mundra (4000 MW), being set up by Tata Power, when fully operational, will meet about two per cent of the country's energy needs.

The project will provide power to consumers in Maharashtra, Gujarat, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh.

The first 800 MW-sized unit 1 has been commissioned and unit 2 has been synchronised. Units 3, 4 and 5 are on schedule.

shanker.s@thehindu.co.in

Publication	Business Standard
Edition	Hyderabad, Kolkata, Delhi, Bangalore, Mumbai, Chennai, Ahmedabad
Date	4 th August 2012
Page	2

Hasten power reforms: Tata Power

The country's largest private electricity producer, Tata Power, on Friday said there could be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector.

PTI

Publication	The Political and Business Daily
Edition	New Delhi
Date	4 th August 2012
Page	14

Grid failures a trigger to fasten sectoral reforms: Tata Power

PBD BUREAU/PTI

NEW DELHI, AUG 3

COUNTRY'S largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector.

Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the

power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th Five Year Plan target of 88,000 mw," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids -- North, Eastern and North Eastern -- tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.



"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days..." Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management.

Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis.

According to Tata Power, islanding scheme -- of having separate electricity transmission services for certain areas -- could help in addressing problems arising out of failure of grids.

The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100 pc success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted.

Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

Publication	Hindustan
Edition	New Delhi
Date	4 th August 2012
Page	13



ग्रिड में खराबी से बचा जा सकता है और इसका एकमात्र विकल्प बिजली की उत्पादन क्षमता बढ़ाना है। -अनिल सरदाना, एमडी, टाटा पावर

Publication	Jansatta
Edition	New Delhi, Kolkata
Date	4 th August 2012
Page	10

बिजली क्षेत्र में तेज सुधार की जरूरत

नई दिल्ली, 3 अगस्त (भाषा)। देश में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी टाटा पावर ने शुक्रवार को कहा कि इस हफ्ते तीन ग्रिड फेल होना, बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने का सबसे बड़ा संकेत है और इस क्षेत्र को और निवेश की जरूरत है। टाटा पावर ने कहा कि ग्रिड में खराबी से बचा जा सकता है और इसके लिए बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाना अकेला विकल्प है।

टाटा पावर के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने एक बयान में कहा- बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने के लिए इससे बड़ा और कोई संकेत नहीं हो सकता। इस क्षेत्र में सुधारों से निवेश बढ़ेगा जिससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और देश को 12वीं योजना के 88,000 मेगावाट के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को दोपहर तीन प्रमुख ग्रिड उत्तरी, पूर्वी और पूर्वोत्तर विफल हो गई थी जिससे देश की आधी से ज्यादा आबादी प्रभावित हुई थी। इससे पहले, 30 जुलाई को सुबह उत्तरी ग्रिड विफल हो गई थी।

सरदाना ने कहा कि वितरण कंपनियों के प्रबंधन को चौबीस घंटे और सातों दिन बिजली आपूर्ति के लिए जवाबदेह बनाना होगा। गुजरात के मूंदड़ा में देश की प्रथम अति वृहद बिजली परियोजना लागू कर रही टाटा पावर ने कहा कि ईंधन आपूर्ति से जुड़े सुधारों को तुरंत लागू किए जाने की जरूरत है।

Publication	Chapte Chapte
Edition	Kolkata
Date	4 th August 2012
Page	8

मतलब बिजली क्षेत्र में तेज सुधार की जरूरत : टाटा पावर

नई दिल्ली, 3 अगस्त। देश में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी टाटा पावर ने आज कहा कि इस सप्ताह ग्रिड फेल होना बिजली क्षेत्र में सुधारों का संकेत कर रहा है तथा इससे बड़ा और कोई संकेत नहीं हो सकता। इस क्षेत्र में सुधारों से निवेश बढ़ेगा जिससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और देश को 12वीं योजना के 88,000 मेगावाट के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। "उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को दोपहर तीन प्रमुख ग्रिडें उत्तरी, पूर्वी और पूर्वोत्तर, विफल हो

गई थीं जिससे देश की आधी से अधिक आबादी प्रभावित हुई थी। इससे पहले, 30 जुलाई को सुबह उत्तरी ग्रिड विफल हो गई थी। सरदामा ने कहा कि वितरण कंपनियों के प्रबंधन को चौबीस घंटे और सातों दिन बिजली आपूर्ति के लिए जवाबदेह बनाना होगा। गुजरात के मूंदड़ा में देश की प्रथम अति वृहद बिजली परियोजना लागू कर रही टाटा पावर ने कहा कि ईंधन आपूर्ति से जुड़े सुधारों को तत्काल आधार पर लागू किए जाने की जरूरत है।

Publication	Prabhat Varta
Edition	Kolkata
Date	4 th August 2012
Page	9

बिजली क्षेत्र में तेज सुधार की जरूरत: टाटा पावर

नई दिल्ली। देश में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी टाटा पावर ने कहा कि इस सप्ताह ग्रिड फ़ेल होना, बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने का सबसे बड़ा संकेत है और इस क्षेत्र को और निवेश की जरूरत है। टाटा पावर ने कहा कि ग्रिड में खराबी से बचा जा सकता है और इसके लिए बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाना एकमात्र विकल्प है। टाटा पावर के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने एक बयान में कहा कि बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने के लिए इससे बड़ा (ग्रिड फ़ेल होना) और कोई संकेत नहीं हो सकता। इस क्षेत्र में सुधारों से निवेश बढ़ेगा जिससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और देश को 12वीं योजना के 88,000 मेगावाट के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को दोपहर तीन प्रमुख ग्रिडें उत्तरी, पूर्वी और पूर्वोत्तर विफल हो गई थीं। जिससे देश की आधी से अधिक आबादी प्रभावित हुई थी। इससे पहले 30 जुलाई को सुबह उत्तरी ग्रिड विफल हो गई थी।

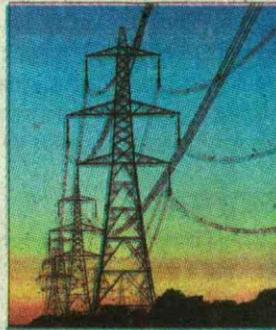
Publication	Aaj Samaj
Edition	New Delhi
Date	4 th August 2012
Page	9

बिजली सुधार तेज करने की जरूरत : टाटा पावर

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी टाटा पावर ने शुक्रवार को कहा कि इस सप्ताह ग्रिड फेल होना, बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने का सबसे बड़ा संकेत है और इस क्षेत्र को और निवेश की जरूरत है। टाटा पावर ने कहा कि ग्रिड में खराबी से बचा जा सकता है और इसके लिए बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाना एकमात्र विकल्प है।

टाटा पावर के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने एक बयान में कहा, 'बिजली क्षेत्र में सुधार में तेजी लाने के लिए इससे बड़ा



(ग्रिड फेल होना) और कोई संकेत नहीं हो सकता। इस क्षेत्र में सुधारों से निवेश बढ़ेगा जिससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और देश को 12वीं योजना के 88,000 मेगावाट के लक्ष्य को पूरा करने में मदद

मिलेगी।' उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को दोपहर तीन प्रमुख ग्रिडें उत्तरी, पूर्वी और पूर्वोत्तर विफल हो गई थी, जिससे देश की आधी से अधिक आबादी प्रभावित हुई थी। इससे पहले, 30 जुलाई को सुबह उत्तरी ग्रिड विफल हो गई थी। सरदाना ने कहा कि निवेश कंपनियों के प्रबंधन को चौबीस घंटे और सातों दिन बिजली आपूर्ति के लिए जवाबदेह बनाना होगा। गुजरात के मूंदड़ा में देश की प्रथम अति वृहद बिजली परियोजना लागू कर रही टाटा पावर ने कहा कि ईंधन आपूर्ति से जुड़े सुधारों को तत्काल आधार पर लागू किए जाने की जरूरत है।

PTI Flash

Publication	PTI flash
Edition	National
Date	4th August 2012
Page	-

Grid failures a trigger to fasten sectoral reforms: Tata Power

STAFF WRITER 8/3/2012 3:42:00 PM

New Delhi, Aug 3 (PTI): Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th Five Year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement. Pushing the country into a major power crisis, three major grids -- North, Eastern and North Eastern -- tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning. "There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days...", Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management. Tata Power, which is implementing the country's first ultra-mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme -- of having separate electricity transmission services for certain areas -- could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added. Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about two per cent of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

Online Coverage

Publication	The Hindu Business Line
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Expanding generation capacity only way to avoid grid failures: Tata Power MD

The only option to avoid grid failures is to expand the generating capacity, according to Anil Sardana, Managing Director, Tata Power. Tata Power is into generation, transmission and distribution.

"There needs to be enforcement of automated and coordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days. "However, one cannot shy away from creating spinning reserves by expanding India's power generation capacities so that there is no demand-supply gap at any given time," he said. In parallel, the management of distribution companies has to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management, he felt.

ISLANDING SCHEME

On the recent power outages experienced across the country due to grid failures, he said Mumbai is a classic example of how this problem could be addressed technically thanks to the islanding scheme pioneered by Tata Power in 1981.

It cuts off the network from external grid failures to help the local network manage its power demand/supply needs during such crisis. This islanding scheme has worked well for Mumbai consumers, achieving a 100 per cent success rate each of the 16 occasions that there have been such grid failures since 1995. Even in the existing grid failures, Tata Power's Jojobera units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

REFORMS

"There cannot be a better trigger to set off reforms for the power sector to enable increased investment into generation to meet the country's 12th Plan target of 88,000 MW. The sector's long sought-after need for reforms on fuel supply too needs to be addressed on an immediate basis. Clarity on Ultra Mega Power Projects (UMPPs) can go a long way in building a brighter future for the energy needs," he said.

For instance, India's first UMPP at Mundra (4000 MW), being set up by Tata Power, when fully operational, will meet about two per cent of the country's energy needs. The project will provide power to consumers in Maharashtra, Gujarat, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh.

The first 800 MW-sized unit 1 has been commissioned and unit 2 has been synchronised. Units 3, 4 and 5 are on schedule.

LINK <http://www.thehindubusinessline.com/companies/article3723420.ece>

Publication	Financial Chronicle
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Grid failures a trigger to fasten sectoral reforms: Tata Power

Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th Five Year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids -- North, Eastern and North Eastern -- tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.

"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days...," Sardana said. He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management.

Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme -- of having separate electricity transmission services for certain areas -- could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added.

Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about two% of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

LINK <http://wrd.mydigitalfc.com/power/grid-failures-trigger-fasten-sectoral-reforms-tata-power-500>

Publication	Money Control
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Use grid failure as trigger to hasten reforms: Tata Power

Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th five-year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids - North, Eastern and North Eastern - tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.

"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days," Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management. Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme - of having separate electricity transmission services for certain areas - could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added. Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about 2% of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

LINK http://www.moneycontrol.com/news/business/use-grid-failure-as-trigger-to-hasten-reforms-tata-power_739912.html

Publication	The Economic Times
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Use grid failure as trigger to hasten reforms: Tata Power

New Delhi: Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th five-year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids - North, Eastern and North Eastern - tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.

"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days," Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management. Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme - of having separate electricity transmission services for certain areas - could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added. Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about 2% of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

LINK <http://economictimes.indiatimes.com/news/news-by-industry/energy/power/grid-failures-a-trigger-to-fasten-sectoral-reformstata-power/articleshow/15339175.cms>

Publication	Business Standard
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Use grid failure as trigger to hasten reforms: Tata Power

New Delhi: Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th five-year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids - North, Eastern and North Eastern - tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.

"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days," Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management. Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme - of having separate electricity transmission services for certain areas - could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added. Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about 2% of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

LINK <http://business-standard.com/india/news/grid-failurestrigger-to-fasten-sectoral-reforms-tata-power/181433/on>

Publication	First Post
Edition	Online
Date	4th August 2012
Page	-

Use grid failure as trigger to hasten reforms: Tata Power

New Delhi: Country's largest private electricity producer Tata Power today said there cannot be a better trigger than this week's grid failures to speed up reforms for ushering in more investments into the sector. Asserting that grid failures are avoidable, Tata Power noted that expanding electricity generation capacity is the only option.

"There could not be a better trigger to set off reforms for the power sector reforms enabling increased investment into power generation to help meet the country's 12th five-year Plan target of 88,000 MW," Tata Power Managing Director Anil Sardana said in a statement.

Pushing the country into a major power crisis, three major grids - North, Eastern and North Eastern - tripped on July 31 afternoon, affecting more than half of the population. The failure happened less than 24 hours after Northern Grid was restored following its collapse on July 30 early morning.

"There needs to be enforcement of automated and co-ordinated relay system as also strict governance on frequency regimes to avoid grid failures similar to the one experienced over the last few days," Sardana said.

He noted that management of distribution companies have to be made accountable for 24x7 reliable supply and fiscal management. Tata Power, which is implementing the country's first ultra mega power project at Mundra in Gujarat, said reforms related to fuel supply needed to be addressed on an immediate basis. According to Tata Power, islanding scheme - of having separate electricity transmission services for certain areas - could help in addressing problems arising out of failure of grids. The islanding scheme, pioneered by the company in 1981, has helped Mumbai consumers every time grid failures happened since 1995, the statement said.

"This islanding scheme has worked brilliantly for Mumbai consumers achieving a 100% success rate in each of 16 occasions that there have been such grid failures since 1995," it noted. Sardana pointed out that even during the existing grid failures, Tata Power's Jojobera (Jamshedpur) units islanded themselves with Jamshedpur load and continued operations.

"Similar concept needs to be implemented with load end generation for most of the generating units which are linked to such configuration of loads," he added. Meanwhile, once fully operational, the 4,000 MW Mundra UMPP would help in meeting about 2% of country's energy needs, the statement said. Currently, Tata Power has an installed generation capacity of 6,099 MW.

LINK <http://www.firstpost.com/economy/grid-failures-a-trigger-to-fasten-sectoral-reforms-tata-403894.html>